



चक्रवात

॥



# चक्रवात



## परिचय

चक्रवात एक कम दबाव वाला क्षेत्र होता है जिसके आस-पास तेजी से इसके केंद्र की ओर वायु परिसंचरण होते हैं।

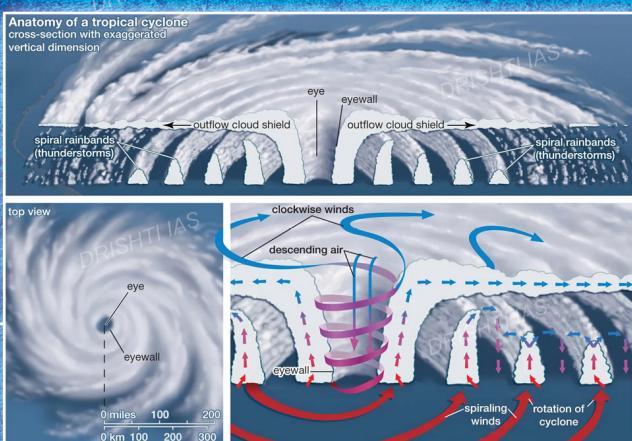
## चक्रवात बनाम प्रतिचक्रवात

दबाव प्रणाली	केंद्र में दबाव की स्थिति	हवा की दिशा का पैटर्न	
चक्रवात	निम्न	उत्तरी गोलार्ध	दक्षिणी गोलार्ध
प्रतिचक्रवात	उच्च	वामावर्त दक्षिणावर्त	दक्षिणावर्त वामावर्त

## वर्गीकरण

### उष्णकटिबंधीय

चक्रवात, मकर और कर्क रेखा के बीच उत्पन्न होते हैं।



### अतिरिक्त

उष्णकटिबंधीय/ समशीतोष्ण चक्रवात; धूबीय क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।

### गठन के लिए शर्तें:

- \* 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
- \* कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
- \* ऊर्ध्वाधर/लंबवत हवा की गति में छोटे बदलाव।
- \* पहले से मौजूद कमजोर निम्न-दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तर-चक्रवात परिसंचरण।

\* समुद्र तल प्रणाली के ऊपर विचलन (Divergence)।

### नामकरण:

- \* नोडल ग्राहिकरण: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)
- \* हिंद महासागर क्षेत्र: बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नामकरण में योगदान करते हैं।

### उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिये अलग-अलग नाम:

- \* टाइफून: दक्षिण पूर्व एशिया और चीन
- \* हरिकेन: उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत
- \* टॉरेन्डो: पश्चिम अफ्रीका और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका
- \* विली-विलीज: उत्तर पश्चिम ऑस्ट्रेलिया
- \* उष्णकटिबंधीय चक्रवात: दक्षिण पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर

### भारत में चक्रवात:

- \* द्वि-वार्षिक चक्रवात मौसम: मार्च से मई और अक्टूबर से दिसंबर।
- \* हाल के चक्रवात: ताउते, वायु, निसर्ग और मेकानु (अरब सागर में) तथा असानी, अम्फान, फोनी, निवार, बुलबुल, तितली, यास और सितरंग (बंगाल की खाड़ी में)।

और पढ़ें...

PDF Reference URL: <https://www.drishtilas.com/hindi/printpdf/cyclone-22>

